

[Secretary]

in the Rajya Sabha, I am directed to enclose a copy of the Architects (Amendment) Bill, 1980 which has been passed by the Rajya Sabha at its sitting held on the 3rd December, 1980."

12.03 hrs.

# ARCHITECTS (AMENDMENT) BILL

AS PASSED BY RAJYA SABHA

SECRETARY: Sir, I lay on the Table of the House the Architects (Amendment) Bill, 1980 as passed by Rajya Sabha.

12.03 hrs.

## RE. ADJOURNMENT MOTIONS

श्री धनिक लाल मंडल (झंझारपुर): अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है, इसे सुन लीजिए। (व्यवधान)...

मैंने एडजोर्नमेंट मोशन दिया है।

अध्यक्ष महोदय : मैंने उसको नामंजूर कर दिया है।

श्री धनिक लाल मंडल : आपने उसको नामंजूर कर दिया है लेकिन उस संबंध में मुझे यह कहना है कि हमारा जो एडजोर्नमेंट मोशन है, उसको आप पढ़कर सुना दीजिए क्योंकि यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर है।

अध्यक्ष महोदय : जहां आवश्यकता होती है और जहां में उचित समझता हूं पढ़कर सुनाता हूं लेकिन जब इस तरीके से करते हैं कि सारे के सारे एडजोर्नमेंट मोशन दे दिये हैं, तो उनको पढ़ने की आवश्यकता नहीं है।

श्री धनिक लाल मंडल : आप जरा एक मिनट मेरी बात सुन लीजिए।

अध्यक्ष महोदय : आप कानून बता दीजिए, जिसके अन्तर्गत मैं उसको पढ़कर सुनाऊं।

श्री धनिक लाल मंडल : आप एक मिनट सुनिये। मेरा जो अधिकार है, उसके आप गाजियन हैं।

अध्यक्ष महोदय : बिल्कुल। आपने ही यहां बैठाया है।

श्री धनिक लाल मंडल : मैं आपका आदर करता हूं लेकिन मेरा जो अधिकार है, उसके आप गाजियन हैं। मेरा जो अधिकार है, उसका मैं इस्तेमाल कर रहा हूं। आप एक मिनट सुन लीजिए, मैं क्यों यह कहना चाहता हूं। मैं कोई पागल तो नहीं हूं।... (व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : नहीं, आप तो गृह मंत्री रह चुके हैं। अगर कोई ऐसा करेगा तो मैं उसे कहने भी नहीं दूंगा।

श्री धनिक लाल मंडल : ये जो सरकारी बेंच पर बैठे हुए लोग हैं, इन्होंने जब बंगाल में हड़ताल हुई थी, तो कहा था कि सारा जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

अध्यक्ष महोदय : असम की समस्या को हल करने के लिए... (व्यवधान) असम में घर-घर में आपका स्वागत हुआ है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मंडल जी, यह स्टेट सबजेक्ट है। आप बैठ जाइये। (व्यवधान)

श्रीमती प्रमिला बंडवते : अध्यक्ष महोदय, फ्रीडम आफ प्रेस को कुचलने का सवाल इस सदन में हो सकता है। (व्यवधान) बम्बई में गुण्डे लोग हाथ में नंगी तलवार लेकर घूम रहे हैं....

अध्यक्ष महोदय : प्रमिला जी, यह नहीं होगा। नाट अलाउड, ओवर रूल्ड।